Cosmo Foundation
Cosmo First Limited

कोस्मो फाउन्डेशन युवाओं को कौशल प्रदान कर उन्हें एआई के अनुकूल उज्जवल भविष्य के लिए कर रही तैयारः ग्रामीण भारत में 50,000 से अधिक युवाओं को प्रदान किया कौशल

नई दिल्ली, 15 जुलाई, 2025: विश्व युवा कौशल दिवस 2025 के अवसर पर कोस्मो फर्स्ट लिमिटेड की कम्युनिटी आउटरीच शाखा कोस्मो फाउन्डेशन ने एक ऐसी पीढ़ी को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता व्यक्त की है, जो भविष्य के लिए तैयार हो और जिसके लिए टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करना अधिक सुलभ हो। पिछले 15 सालों से कोस्मो फाउन्डेशन विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों के वंचित युवाओं के लिए डिजिटल अंतराल को दूर करने और नए अवसर प्रशस्त करने के लिए काम कर रही है। इस साल की यूएन की थीम 'एआई एवं डिजिटल कौशल के माध्यम से युवा सशक्तीकरण' के मद्देनज़र कोस्मो फाउन्डेशन का उद्देश्य भारत के युवाओं को तकनीकी शिक्षा प्रदान करना और उनमें आत्मनिर्भरता, समावेशन एवं आत्मविश्वास को बढ़ावा देना है।

कोस्मो फाउन्डेशन के लिए यह दिन हर उस व्यक्ति का जश्न है जिसने शिक्षा के माध्यम से अपने जीवन को बदल डाला है। डिजिटल साक्षरता, भाषा दक्षता, जीवन कौशल एवं व्यवसायिक प्रशिक्षण पर ज़ोर देते हुए कोस्मो फाउन्डेशन ने 2008 में अपनी पहली डिजिटल कौशल पहल की शुरूआत की, जो अब तक गुजरात, महाराष्ट्र और दिल्ली में 50,000 से अधिक युवाओं के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव उत्पन्न कर चुकी है। फाउन्डेशन के प्रोग्रामों का उद्देश्य छात्रों एवं युवाओं को ऐसा कौशन प्रदान करना है जो आज की आधुनिक तकनीक की दुनिया में उन्हें सफलता दिला सके। ये प्रोग्राम खासतौर पर दूरदराज के वंचित इलाकों एवं आदिवासी समुदायों के युवाओं को लाभान्वित करते हैं।

कोस्मो फाउन्डेशन ने आर्टीफिशियल इंटेलीजेन्स के बढ़ते महत्व को देखते हुए अपने प्रशिक्षण मोड्यूल्स में एआई लिटरेसी एवं डिजिटल

टूल्स को शामिल किया है। ई–कॉमर्स, डिजिटल पेमेंट्स एवं सोशल मीडिया मैनेजमेन्ट के अलावा युवाओं को कैनवा, चैटजीपीटी, जेमिनाई, गूगल वर्कस्पेस एवं साइबरसिक्योरिटी जैसे प्लेटफॉर्म्स के बारे में भी सिखाया जाता है। ये एआई–पावर्ड प्रयास उन्हें कम्युनिकेशन, रचनात्मक विचार एवं कम्प्यूटर शिक्षा में प्रशिक्षित करते हैं, ताकि वे न सिर्फ आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल कर सकें बल्कि कार्यस्थल के लिए भी तैयार हो सकें। यहां तक कि जिन क्षेत्रों में कनेक्टिविटी बहुत कम है, वहां भी छात्रों को कोस्मो डिजि पाठशाला जैसे प्रोग्रामों के माध्यम से शिक्षित किया गया है। गौरतलब है कि कोस्मो डिजि एक व्हॉट्सऐप–आधारित लर्निंग प्रोग्राम है।

कोस्मो फाउन्डेशन समग्र विकास पर ध्यान देता है। फाउन्डेशन की कुछ मुख्य पहलों में शामिल हैं– डिजिटल स्किल बिल्डिंग प्रोग्राम, बेसिक इंग्लिश फ्लुएंन्सी प्रोग्राम, वोकेशनल प्रोग्राम जैसे ऑटो–ईवी टेकनिशियन ट्रेनिंग तथा मोबिलिटी प्रोग्राम–नारी की सवारी जो महिलाओं को वाहन चलाना सिखाता है। सभी प्रोग्रामों में डिजिटल शिक्षा के अलावा जीवन कौशल जैसे समय प्रबन्धन, लीडरशिप, नैतिक आचरण, वित्तीय साक्षरता, हाइजीन जागरुकता भी सिखाए जाते हैं। इन बहु–आयामी सर्विसेज़ ने महिलाओं और लड़कियों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव उत्पन्न किया है, उन्हें आत्मविश्वास के साथ अपने समुदायों के विकास में योगदान देने में सक्षम बनाया है।

''विश्व युवा कौशल दिवस पहचान के साथ–साथ क्षमता का भी उत्सव है।'' मिस यामिनी जयपुरिया, मैनेजिंग ट्रस्टी, कोस्मो फाउन्डेशन ने कहा। 'कोस्मो फाउन्डेशन में हमारा मानना है कि हमें युवाओं को इस तरह से तैयार करना चाहिए कि वे न सिर्फ भारत के डिजिटल एवं उद्यमी भविष्य में योगदान दें बल्कि इसका नेतृत्व भी करें। हमें गर्व है कि हम उन्हें आधुनिक संसाधनों, सिद्धान्तों, ज़रूरी कौशल और अवसरों के साथ जोड़ते हैं, जो उनके आज ही नहीं बल्कि आने वाले कल को भी आकार देते हैं।''

कोस्मो फाउन्डेशन ने पिछले सालों के दौरान हज़ारों युवाओं को प्रेरित किया है। ऐसा ही एक उदाहरण हैं कि गुजरात के मेथी गांव से अजय वसावा जो निजी कम्प्यूटर क्लासेज़ का खर्च उठाने में सक्षम नहीं थे। उन्होंने कोसमो के निःशुल्क डिजिटल शिक्षा प्रोग्राम से प्रशिक्षण प्राप्त किया। अब वे अपने गांव में एक डिजिटल सर्विस सेंटर चला रहे हैं और रीटेल प्रतिष्ठानों के आईटी संचालन का नेतृत्व करते हैं। इसी तरह औरंगाबाद में फाउन्डेशन का ईवी टेकनिशियन कोर्स करने के बाद अनिशा सुरदकर का जीवन पूरी तरह से बदल गया। अब वह बजाज ऑटो में काम कर रही हैं और रु 15,000 महीना कमा लेतीं हैं। वह अपने समुदाय के दूसरे लोगों के लिए प्रेरणा स्रोत बन गई हैं। ऐसी ही एक और कहानी है सजिया बजपाल की, जिन्होंने कोस्मो इंग्लिश ट्यूटर यूट्यूब कंटेंट की मदद से आइल्टस में 7–बैण्ड का स्कोर हासिल किया और अकाउन्टिंग में मास्टर्स के लिए यूके चली गईं।

''अपनी शुरूआत से हम ही हम युवाओं और समुदायों को अपस्किल करने पर ध्यान देते रहे हैं। हमारा मानना है कि इस तरह के कौशल प्रयास समुदायों पर सकारात्मक प्रभाव उत्पन्न करते हैं, डिजिटल कौशल युवाओं को आत्मविश्वास प्रदान कर उनके भविष्य को नया आयाम देता है। भारत के हर गांव में अपार क्षमता है, ऐसे में मौजूदा खामियों को पहचान कर युवाओं को अवसर प्रदान करने की ज़रूरत है, ताकि उनमें छिपी प्रतिभा को सही राह देकर भारत को विकास के पथ पर अग्रसर किया जा सके।'' मिस ममता बैक्सी, हैड ऑफ सीएसआर, कोस्मो फाउन्डेशन ने कहा।

कोस्मो फाउन्डेशन के कार्यों के सामाजिक–आर्थिक एवं शैक्षणिक परिणाम स्पष्ट हैं। कोस्मो फाउन्डेशन के संचालन क्षेत्रों में सरकारी स्कूलों में खासतौर पर लड़कियों का एनरोलमेन्ट बढ़ा है। स्कूली शिक्षा बीच में छूट जाने की दर 35 फीसदी से कम होकर 2 फीसदी पर आ गई है। कोस्मो से प्रशिक्षण पाने वाले युवाओं को सर्विस सेंटर मैनेजर, शिक्षक,

नर्स, एचआर एक्ज़क्टिव एवं डेटा एंट्री ऑपरेटर के रूप में अच्छी नौकरी मिली है। वर्तमान में 34 फीसदी लाभार्थी सार्वजनिक या निजी सेक्टर में काम कर रहे हैं और 18 फीसदी ने कंटेंट क्रिएशन, ई–कॉमर्स एवं डिजिटल डिज़ाइन जैसे उद्योगों में अपना काम शुरू किया है। इसके अलावा 80 से अधिक महिलाएं व्यवसायिक प्रशिक्षण पाने के बाद इलेक्ट्रिक व्हीकल कंपनियों में नौकरी हासिल करने में सफल रही हैं, तथा रु 15,000 से रु 29,000 महीना तक कमा रही हैं।

कोस्मो फाउन्डेशन से लाभान्वित होने वाले लोगों में 6–24 वर्ष के लाभार्थी शामिल हैं, फाउन्डेशन ने 155 गांवों और 55 सरकारी स्कूलों के 68000 से अधिक छात्रों पर सकारात्मक प्रभाव उत्पन्न किया है। कोस्मो फाउन्डेशन के अनुसार लर्निंग स्थानीय, समावेशी एवं स्थायी होनी चाहिए– इसी के मद्देनज़र समुदाय आधारित शिक्षकों और डिजिटल फेसिलिटेटर्स ने युवाओं एवं स्थानीय महिलाओं को प्रशिक्षित किया गया है।

कोस्मो फाउन्डेशन विश्व युवा कौशल दिवस 2025 के अवसर पर डिजिटल लर्निंग को बढ़ावा देने के लिए कार्यशालाओं एवं कार्यक्रमों का आयोजन कर रहा है। वड़ोदरा में नवरचना युनिवर्सिटी के सहयोग से एक वर्चुअल सैशन 'लेवरेजिंग एआई फॉर एकेडमिक एक्सीलेन्स एण्ड प्रोफेशनल ग्रोथ' पर वर्चुअल सैशन का आयोजन किया जा रहा है, इसी तरह फिक्की एफएलओ के सहयोग से ग्रामीण लड़कियों के लिए एक स्टैम जागरुकता कार्यशाला भी आयोजित की जा रही है।

कोस्मो फाउन्डेशन देश के हर कोने में हर शिक्षित छात्र, प्रेरित शिक्षक एवं मजबूत बालिका के लिए समावेशी प्रगति को बढ़ावा देने की दिशा में कार्यरत है। उन्हें ज्ञान एवं ज़रूरी कौशल के साथ आत्मविश्वास को भी बढ़ा रहा है, ताकि वे न सिर्फ अपने जीवन में बल्कि अपने समुदाय के जीवन में भी सकारात्मक बदलाव ला सकें।